# नेताजी: बच्चों के हीरो

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

विदेश पहुँचकर नेताजी का उद्देश्य केवल एक था—भारत को आज़ाद कराना।

यह कहानी है भारत के एक ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी की, जिनका नाम सुनते ही आज भी हर भारतीय के दिल में जोश और देशभक्ति की भावना जाग उठती है। पूरी दुनिया उन्हें प्यार से "नेताजी" के नाम से जानती है। उनका पूरा नाम था सुभाष चंद्र बोस। वे निडर, अनुशासित और अपने देश से सबसे अधिक प्रेम करने वाले महान नेता थे।

23 जनवरी 1897 को उड़ीसा (अब ओडिशा) के कटक शहर में एक बालक का जन्म हुआ। माता-पिता ने बड़े प्यार से उसका नाम रखा—सुभाष।

बचपन से ही सुभाष बहुत बुद्धिमान, शांत और अनुशासित थे। वे पढ़ाई में हमेशा अच्छे अंक लाते थे, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी—दूसरों की मदद करना। वे अपने माता-पिता, शिक्षकों और बड़ों का बहुत सम्मान करते थे।

सुभाष पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने कठिन परीक्षा पास की और पूरे देश के होनहार विद्यार्थियों में गिने जाने लगे। लेकिन उनके मन में एक सवाल बार-बार उठता था—

"क्या मैं अपने ही देश पर शासन करने वाले अंग्रेजों की नौकरी करूँ?"

उनका उत्तर था—"नहीं!"

उन्होंने स्वेच्छा से आई.सी.एस. की नौकरी छोड़ दी और भारत लौटकर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए। उनके इस साहसिक निर्णय ने पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया।

जनवरी 1941 की एक रात उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए भेष बदला। दाढ़ी बढ़ाई, साधारण कपड़े पहने और अंग्रेजों की निगरानी से निकलने में सफल हो गए। इसके बाद वे कई देशों की कठिन यात्रा करते हुए पहले जर्मनी और बाद में जापान पहुँचे। अंग्रेज सरकार को लंबे समय तक उनके ठिकाने का पता ही नहीं चल पाया।

## आज़ाद हिंद फ़ौज और अमर नारे

विदेश पहुँचकर नेताजी का उद्देश्य केवल एक था—भारत को आज़ाद कराना।

*उन्होंने आज़ाद हिंद फ़ौज (Indian National Army) का नेतृत्व संभाला और उसे नई शक्ति, नया उत्साह और नई दिशा दी। हजारों भारतीय सैनिक उनके साथ जुड़ गए।*

*अपने सैनिकों और देशवासियों का उत्साह बढ़ाने के लिए नेताजी ने एक अमर नारा दिया—*

*"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"*

*इसका अर्थ था कि यदि देश के लोग पूरी निष्ठा, साहस और बलिदान के साथ स्वतंत्रता के लिए आगे आएँगे, तो भारत अवश्य आज़ाद होगा।*

*उन्होंने "जय हिंद" को भी राष्ट्रीय अभिवादन के रूप में लोकप्रिय बनाया। आज भी यह नारा पूरे भारत में गर्व और देशभक्ति का प्रतीक है।*

---

*नेताजी का व्यक्तित्व*

*नेताजी केवल बहादुर ही नहीं, बल्कि बहुत अनुशासित भी थे। वे समय का पूरा सम्मान करते थे और मानते थे कि सफलता पाने के लिए मेहनत, ईमानदारी और आत्मविश्वास सबसे ज़रूरी हैं।*

*वे कहते थे कि किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसके जागरूक, शिक्षित और साहसी नागरिक होते हैं। उनका विश्वास था कि भारत के बच्चे ही देश का भविष्य हैं।*

*बच्चों के लिए सीख*

*प्यारे बच्चों,*

*नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन हमें कई अनमोल सीख देता है—*

- *हमेशा सच और न्याय का साथ दें। कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत न हारें।*
- *अपने देश से प्रेम करें और उसकी सेवा करने का संकल्प लें।*
- *अनुशासन और मेहनत सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।*
- *दूसरों की मदद करना सच्ची महानता है।*
- *बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन से मेहनत करें।*

*जय हिंद!*